an>

Title: Regarding providing compensation to the farmers whose crops got damaged.

श्री शेर सिंह गुबाया (फ़िरोज़पुर) : महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान उन किसानों की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जिन किसानों को शोहरत है कि उन्होंने अपने साथ-साथ देश के लोगों का पेट भरने का काम किया।

महोदय, अब नौबत यहाँ तक पहुँच चुकी है कि किसान के पास सुसाइड करने के अलावा और कोई चारा नहीं है। उसके ऊपर बहुत कर्जा हो चुका है, वह पैसे चुका नहीं सकता है, उसका कारण यह है कि जिस क्षेत्र से मैं आता हूँ, फरीदकोट, भटिंडा, फिरोजपुर, मालवा का जो क्षेत्र है, उसमें पिछले साल मच्छर की वजह से कॉटन और ग्वार की फसल तबाह हो गई। इस साल भी ऐसी चिट्टी मक्खी आ गई, जिससे कॉटन यानी कपास की फसल और ग्वार की फसल समेत सभी फसलें खत्म हो गई। उससे पहले भी इसी तरह से सारा एरिया नÂट हो गया। आज केन्द्र सरकार की ओर से टीम भी गई है।

मैं चाहता हूँ कि एक तो उन किसानों को कम से कम 30 हजार रूपए प्रति एकड़ का सरकार मुआवजा दे। दूसरे, उनके ऊपर जो कर्ज का बोझ है, उसे केन्द्र सरकार माफ करे, उसे अपने ऊपर ले, ताकि वे सुसाइड करने से बच सकें।

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Kunwar Pushpendra Singh Chandel is permitted to associate with the issue raised by Shri Sher Singh Ghubaya.